मेन्स मास्टर

SC ने बिलकिस मामले में 11 दोषियों की रिहाई रद्द कर दी

मामले की पृष्ठभूमि:

2002 में, गुजरात दंगों के दौरान, बिलकिस बानो को क्रूर सामूहिक बलात्कार का सामना करना पड़ा और दो महीने के शिशु सहित उनके परिवार की हत्या कर दी गई। इसके बाद, 2008 में 11 लोगों को दोषी ठहराया गया और इन जघन्य अपराधों के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला:

सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले ने इन दोषियों को बड़े पैमाने पर छूट देने के गुजरात सरकार के फैसले को पलट दिया। न्यायाधीशों ने सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के कार्यों की आलोचना की और उन्हें सांप्रदायिक घृणा से प्रेरित और उनके कानूनी अधिकार से परे बताया। उन्होंने दोषियों की सहानुभूति की याचिका खारिज करते हुए उन्हें एक पखवाड़े के भीतर जेल लौटने का निर्देश दिया।

कानून के शासन पर जोर:

न्यायाधीशों ने इस बारे में मार्मिक प्रश्न उठाए कि क्या महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों में सजा में कमी के माध्यम से दोषियों की रिहाई की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने इसके उल्लंघन के माध्यम से अर्जित किसी भी स्वतंत्रता पर कानून के शासन की प्रधानता पर जोर दिया।

क्षेत्राधिकार और कानूनी दृष्टिकोण:

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि धारा 432(7)(बी) के तहत छूट देने के लिए गुजरात उपयुक्त सरकार नहीं है। इसके बजाय, महाराष्ट्र, जहां लोगों पर मुकदमा चलाया गया और सजा सुनाई गई, ऐसे किसी भी निर्णय के लिए क्षेत्राधिकार रखता था।

माफ़ी के लिए कपटपूर्ण आधार:

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात की छूट नीति को रद्द करने और महाराष्ट्र पर इसकी अनुपयुक्तता का हवाला देते हुए मई 2022 के आदेश को धोखाधड़ीपूर्ण पाया। इसने इस आदेश के लिए तथ्यों को दबाने का भी उल्लेख किया।

अवैतनिक जुर्माना और कानूनी इनकार:

दोषी मुंबई अदालत द्वारा लगाए गए जुर्माने का भुगतान करने में विफल रहे और शीघ्र रिहाई की उनकी याचिका के संबंध में सीबीआई, मुंबई विशेष अदालत और गुजरात के अधिकारियों सहित कई कानूनी अधिकारियों से इनकार का सामना करना पड़ा।

गैरकानूनी छूट

पृष्ठभूमि:
• 2002 गुजरात नरसंहार: 11 लोगों को दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ सामूहिक बलात्कार करने और उसके परिवार के सदस्यों की हत्या करने का दोषी ठहराया गया।
• जांच सीबीआई को हस्तांतरित होने के बाद मुंबई सत्र न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई।
• अगस्त 2022: गुजरात सरकार ने दोषियों को समय से पहले रिहाई दी।
• विवाद छिड़ा: सार्वजनिक आक्रोश, समर्थकों द्वारा दोषियों को माला पहनाना।
सुप्रीम कोर्ट का फैसला:
• दोषियों को रिहा करने के आदेश को यह कहते हुए रद्द कर दिया:
  ◦ गुजरात सरकार के लिए अधिकार क्षेत्र का अभाव।
  ◦ रिहाई की सुविधा में गुजरात सरकार की "सहभागिता"।
  ◦ पहले के ग़लत निर्णय को चुनौती देने में विफलता।
• दोषियों को दो सप्ताह के भीतर जेल लौटने का निर्देश।
फैसले का महत्व:
• कानून के शासन को कायम रखना: क्षेत्राधिकार, प्रक्रियात्मक शुद्धता और निष्पक्ष प्रक्रिया पर जोर दिया गया।
• न्यायपालिका में विश्वास को आश्वस्त करता है: संदेह के समय में सत्ता को जवाबदेह रखता है।
• छूट के सिद्धांतों का समय पर अनुस्मारक: व्यक्तिगत योग्यता, अपराध की गंभीरता, सुधार की क्षमता और सामाजिक प्रभाव के आधार पर।
• बड़े पैमाने पर छूट को अस्वीकार करता है: आजीवन कारावास की सजाओं पर सावधानीपूर्वक विचार की आवश्यकता होती है, न कि औपचारिक इशारों की।
• मानवीय विचार: कैदी सुधार को पीड़ित/समाज की भलाई के साथ संतुलित करना।
व्यापक आउटलुक:
• फैसले से बिलकिस बानो और पीड़ितों को न्याय बहाल हुआ।
• छूट के मामलों में उचित प्रक्रिया और उचित प्रक्रिया के लिए मिसाल कायम करता है।
• शक्तिशाली सरकारी संस्थाओं की जवाबदेही के लिए आशा प्रदान करता है।
• समय से पहले रिहाई के पीछे संभावित राजनीतिक उद्देश्यों के बारे में सवाल उठाता है।
• सभी हितधारकों पर विचार करते हुए मजबूत छूट नीतियों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।
कुल मिलाकर, बिलकिस बानो मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला कानून के शासन को बनाए रखने, न्यायपालिका में विश्वास बहाल करने और भारत में छूट नीतियों के निष्पक्ष और उचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत तेल की कीमत में अस्थिरता का जोखिम नहीं उठा सकता

यह लेख जीवाश्म ईंधन की जटिल दुनिया से निपटता है, 2024 और उसके बाद इसके भविष्य को आकार देने वाली गतिशीलता को रेखांकित करता है। यहां मुख्य बातें दी गई हैं:
वैश्विक रुझान:
• मांग मजबूत बनी हुई है: नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद, वैश्विक तरल ईंधन की खपत 2023 और 2024 में बढ़ने का अनुमान है।
• आपूर्ति सख्त हुई: ओपेक+ के उत्पादन में कटौती का उद्देश्य मांग को संतुलित करना और भंडार को अनुकूलित करना, एक सख्त बाजार बनाना है।
• नवीकरणीय ऊर्जा तेजी से आगे बढ़ती है: हालांकि जीवाश्म ईंधन की जगह नहीं ले रही है, नवीकरणीय ऊर्जा बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा कर रही है।
• ओपेक के पास बागडोर: ऊंची कीमतों, आर्थिक स्थिरता और गैर-ओपेक प्रतिस्पर्धा को संतुलित करना ओपेक की प्रमुख चुनौती है।
• रूस का प्रभाव कायम है: एक प्रमुख निर्यातक के रूप में, रूस की तेल उत्पादन और मूल्य निर्धारण रणनीतियाँ वैश्विक बाजार पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती हैं।
• राजनीतिक विचार मायने रखते हैं: अमेरिकी चुनाव और गैर-ओपेक उत्पादकों के साथ ओपेक की बातचीत जटिलता की एक और परत जोड़ती है।
भारत के लिए चुनौतियाँ और अवसर:
• वैश्विक बदलावों के प्रति संवेदनशीलता: कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए अनिश्चितता पैदा करते हैं।
• एक ढाल के रूप में विविधीकरण: जोखिमों को कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों में निवेश महत्वपूर्ण हैं।
• भविष्य के लिए टिकाऊ रणनीतियाँ: नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से दीर्घकालिक स्थिरता के साथ उपभोक्ता सामर्थ्य को संतुलित करना महत्वपूर्ण है।
• घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना: ONGC की KG-DWN-98/2 परियोजना जैसे प्रयासों में वृद्धि आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक है।
• एक दृढ़ और अनुकूलनीय ऊर्जा नीति बनाए रखना: भारत को अंतरराष्ट्रीय दबावों से निपटने और आवश्यकतानुसार अपनी रणनीति को समायोजित करने की आवश्यकता है।
कुल मिलाकर, 2024 में जीवाश्म ईंधन बाजार गतिशील और अप्रत्याशित प्रतीत होता है। जैसे-जैसे हम नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं, भारत जैसे देशों को ऊर्जा सुरक्षा, सामर्थ्य और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक रणनीतियाँ अपनानी होंगी।

प्रीलिम्स बूस्टर

गेरविग की बार्बी के लिए नोलन के ओपेनहाइमर ने खट्टी मीठी रात में गोल्डन ग्लोब्स जीते

🏆 "ओपेनहाइमर" हावी:
- क्रिस्टोफर नोलन के नाटक "ओपेनहाइमर" ने पांच पुरस्कार जीते, जिनमें सर्वश्रेष्ठ नाटक, नोलन के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सिलियन मर्फी और रॉबर्ट डाउनी जूनियर के लिए अभिनय पुरस्कार शामिल हैं।
- नोलन अपने देश के प्रति वफादारी और पर्याप्त अपराध बोध वाले वैज्ञानिक जे. रॉबर्ट ओपेनहाइमर की त्रासदी के प्रति आकर्षित होने को व्यक्त करते हैं।

🎬 "बार्बी" चूक गई:
- ग्रीष्मकालीन हिट होने के बावजूद, "बार्बी" सर्वश्रेष्ठ कॉमेडी फिल्म के लिए "पुअर थिंग्स" से हार गई, भले ही इसने सर्वश्रेष्ठ गीत जीता हो।
- फ्रांसीसी नाटक "एनाटॉमी ऑफ ए फ़ॉल" ने "बार्बी" की तुलना में सर्वश्रेष्ठ पटकथा का पुरस्कार जीतकर कई लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया।

🎖️ अन्य विजेता:
- एम्मा स्टोन को "पुअर थिंग्स" के लिए सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेत्री का पुरस्कार मिला और डा'वाइन जॉय रैंडोल्फ को "द होल्डओवर्स" में उनकी सहायक भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेत्री का पुरस्कार मिला।
- हयाओ मियाज़ाकी की फिल्म "द बॉय एंड द हेरॉन" को सर्वश्रेष्ठ एनिमेटेड फिल्म का पुरस्कार मिला।

स्विस, थाई समूहों ने पेरिस संधि कार्बन ऑफ़सेट की पहली बिक्री बंद कर दी

- 🌍 कार्बन ऑफसेट कार्रवाई में: कार्बन ऑफसेट की बिक्री पेरिस समझौते को लागू करने में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करती है, जो सरकारों और कंपनियों को अन्यत्र उत्सर्जन को कम करने वाली परियोजनाओं में निवेश करके अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की भरपाई करने की अनुमति देती है।
- 💼 सौदे का विवरण: स्विट्जरलैंड के क्लिक फाउंडेशन ने दिसंबर में थाईलैंड के एनर्जी एब्सोल्यूट से 1,916 कार्बन क्रेडिट खरीदे, जो एनर्जी एब्सोल्यूट की बैंकॉक में 4,000 इलेक्ट्रिक बसों को तैनात करने की पहल से उत्पन्न हुआ, जिससे पेट्रोल-ईंधन वाले वाहनों से CO2 उत्सर्जन कम हो गया।
- 💹 बाजार की गतिशीलता: बिक्री बढ़ते कार्बन क्रेडिट बाजार में एक मिसाल कायम करती है, जो ऑफसेट को नियंत्रित करने वाले संयुक्त राष्ट्र के आगामी नियमों को प्रभावित करती है, बाजार के परिपक्व होने पर अनिश्चितताओं और संभावित संशोधनों के साथ।
- 🟫 नियामक प्रभाव: एनर्जी एब्सोल्यूट और क्लिक दोनों, अपने संबंधित देश के नियामकों के साथ, पेरिस समझौते के तहत अपने कार्यों के माध्यम से उभरते बाजार की गतिशीलता को आकार दे सकते हैं।

दक्षिण कोरिया का सुपरकंडक्टिविटी का दावा नए डेटा के साथ पुनर्जीवित हुआ

सुपरकंडक्टिविटी की सामग्री और संकेत: वैज्ञानिकों ने तांबे-प्रतिस्थापित लेड एपेटाइट में सुपरकंडक्टिविटी के संभावित संकेत की सूचना दी है, जिसे एलके-99 के रूप में जाना जाता है, जिसे मीस्नर प्रभाव के रूप में देखा जाता है, जो निकट-कमरे के तापमान सुपरकंडक्टिविटी (आरटीपी) का संकेत देता है।

🌐 महत्व और अनुप्रयोग: आरटीपी सुपरकंडक्टिविटी प्रदर्शित करने वाली सामग्री ढूंढना शून्य-हानि बिजली ट्रांसमिशन, मेडिकल डायग्नोस्टिक्स, कंप्यूटिंग और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स सहित विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए अत्यधिक महत्व रखता है।

- 📣 प्रचार और वैज्ञानिक विवाद: अतिचालकता के दावों से जुड़े क्षेत्र में हाल के विवादों ने वैज्ञानिक समुदाय के भीतर संदेह और सावधानी पैदा की है, जिससे नए निष्कर्षों पर सावधानीपूर्वक विचार किया जा रहा है।
- नए अध्ययन का दृष्टिकोण और निष्कर्ष: शोधकर्ताओं ने एलके-99 में मीस्नर प्रभाव का निरीक्षण करने के लिए प्रत्यक्ष वर्तमान (डीसी) माप आयोजित किया, जो इसके सुपरकंडक्टिंग गुणों का संकेत देता है। अध्ययन के प्रयोगों में हिस्टैरिसीस लूप और तापमान अवलोकन शामिल थे, जो निकट-आरटीपी सुपरकंडक्टिविटी का सुझाव देते हैं।
- 🔴 चुनौतियाँ और चेतावनियाँ: नमूनों में सीमित सुपरकंडक्टिंग हिस्से, हस्तक्षेप के मुद्दे, और सुपरकंडक्टिंग सामग्री को अलग करने और आगे की जांच के लिए नमूनों में इसके अंश को बढ़ाने के लिए कठोर पहचान और संश्लेषण तकनीकों की आवश्यकता।

यूरोपीय संघ के कार्बन सीमा कर को समझना

- 🌍 यूरोपीय संघ की कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (सीबीएएम): यूरोपीय संघ में कार्बन-सघन आयात पर कर लगाने के लिए बनाई गई एक नीति, जिसका लक्ष्य ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना और घरेलू उद्योगों को कार्बन रिसाव से बचाना है, जो भारत के विनिर्माण क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश करता है।
- 🎯 यूरोपीय संघ का लक्ष्य: गैर-ईयू देशों से कार्बन-सघन उद्योगों पर आयात शुल्क लगाकर, यूरोपीय संघ के बाजार में इन उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता को कम करके, 2030 तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 55% की कमी सुनिश्चित करना, इसके व्यापक यूरोपीय ग्रीन डील का हिस्सा है। ·
- ⏳ संक्रमणकालीन और निश्चित चरण: सीबीएएम का संक्रमणकालीन चरण अक्टूबर 2023 में शुरू हुआ, निश्चित चरण जनवरी 2026 से शुरू हुआ, जिससे आयातकों को घोषित उत्सर्जन के बराबर सीबीएएम प्रमाणपत्र सरेंडर करना आवश्यक हो गया।
- 🤝 भारत की प्रतिक्रिया: भारत ने विश्व व्यापार संगठन में सीबीएएम को चुनौती दी है और उत्सर्जन में कटौती और स्वच्छ ऊर्जा निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए अपने स्वयं के कार्बन व्यापार तंत्र, कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग सिस्टम (सीसीटीएस) पर काम कर रहा है।
- 🌱 पर्यावरण प्रतिबद्धताएँ: भारत को अपने निर्यात पर सीबीएएम के आसन्न प्रभाव को देखते हुए, अपने उद्योगों के हितों की रक्षा करते हुए पेरिस समझौते के सिद्धांतों के अनुरूप कार्बन कराधान उपाय तैयार करने के लिए त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता है।